# CBSE Class 09 - Hindi B
## आदर्श प्रश्न पत्र - 06 (2020-21)

**Maximum Marks: 80**
**Time Allowed: 3 hours**

## General Instructions:

- इस प्रश्नपत्र में चार खंड हैं।
- सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।

### खंड - क (अपठित गद्यांश)

1. **निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।**

आज से प्रायः सौ-सवा सौ साल पहले वाले किसान-संघर्षों एवं आन्दोलनों का वर्णन मिलता है। इसमें सबसे पुराना मालाबार के मोपला किसानों का विद्रोह है, जो 1836 में शुरू हुआ था। कहने वाले कहते हैं कि ये मोपले कट्टर मुसलमान होने के नाते अपना आन्दोलन धार्मिक कारणों से ही करते रहे हैं। असहयोग-युग के उनके विद्रोह के बारे में तो स्पष्ट ही यही बात कही गई है। मगर ऐसा कहने-मानने वाले अधिकारियों एवं जमींदार-मालदारों के लेखों तथा बयानों से ही यह बात सिद्ध हो जाती है कि दरअसल आर्थिक एवं सामाजिक उत्पीड़न ही इस विद्रोह के असली कारण रहे हैं और धार्मिक रंग अगर उन पर चढ़ा है तो कार्य-कारणवश ही, प्रसंगवश ही। 1920 और 1921 वाले विद्रोह को तो सबों ने, यहाँ तक कि महात्मा गांधी ने भी धार्मिक ही माना है। असहयोग युग के बाद जो भी किसान-आन्दोलन हुए हैं उन्हें संगठित रूप मिला है, यह बात सही है। संगठित से हमारा आशय सदस्यता के आधार पर बनी किसान-सभा और किसानों की पंचायत से है, जिसका कार्यालय नियमित रूप से काम करता रहता है और समय पर सभी समितियाँ होती रहती हैं। कागजी घुड़दौड़ भी चालू रहती है। यह बात पहले न थी। इसी से पूर्ववर्ती आन्दोलन असंगठित था या विद्रोहों को तत्काल सफल होने के लिए उनका किसी-न-किसी रूप में संगठित होना अनिवार्य था। 'पतिया' जारी करने का रिवाज़अत्यन्त प्राचीन है। मालूम होता है, पहले दो-चार अक्षरों या संकेतों के द्वारा ही संगठन का मंत्र फूँका जाता था। यातायात के साधनों के अभाव में उसे वर्तमान कालीन सफलता एवं विस्तार प्राप्त न होते थे।

i. सबसे पुराना किसान आन्दोलन कब और कहाँ शुरू हुआ? (2)
ii. संगठित किसान आंदोलन की क्या विशेषताएँ थीं? (2)
iii. असहयोग युग के बाद किसान आंदोलनों में क्या बदलाव आए? (2)
iv. पूर्ववर्ती किसान आंदोलन की असफलता के क्या कारण थे? (2)

v. मोपला किसानों के विद्रोह का मुख्य कारण क्या था? (1)

vi. सामाजिक शब्द से प्रत्यय अलग कीजिए। (1)

**खंड - ख (व्याकरण)**

2. जब कोई **शब्द** वाक्य में प्रयुक्त होता है तो वह ________ नहीं रह जाता, बल्कि ________ बन जाता है।

   a. शब्द, वाक्य

   b. शब्द, पद

   c. पद, शब्द

   d. पद, वाक्य

3. 'सुरेश ने रमेश को किताब दी।' वाक्य में 'सुरेश ' ______ है।

   a. संज्ञा पद

   b. कर्ता पद

   c. संज्ञा शब्द

   d. स्वतंत्र शब्द

4. सम् + हार=संहार
   इस शब्द में अनुस्वार का प्रयोग बिंदु (ं) के रूप में क्यों किया गया है?

   a. श,ष,स,ह ( ऊष्म व्यंजन) से पूर्व यदि पंचमाक्षर आए तो अनुस्वार का प्रयोग होता है।

   b. 'सम्' उपसर्ग जोड़ा जाता है तो अनुस्वार का प्रयोग बिंदु के रूप में होता है।

   c. य,र,ल,व ( अंतस्थ व्यंजनों) से पूर्व यदि पंचमाक्षर आए तो अनुस्वार का प्रयोग होता है।

   d. जब किसी वर्ण से पहले अपनी ही वर्ग का पांचवा अक्षर आए तो उसके स्थान पर अनुस्वार का प्रयोग होता है।

5. अनुस्वार (ं) यदि त- वर्ग के अक्षरों वर्ग के अक्षरों(त्व,थ,द,ध) से पहले किया जाता है तो वह कौन सा रूप धारण करता है?

   a. गं

   b. ण्

c. न,

d. ज्ञ,

6. निम्नलिखित में से किस शब्द में उपसर्ग प्रयोग किया गया है ?

a. चिंतन

b. अतिरिक्त

c. प्यास

d. भारतीयता

7. 'निर्जन' शब्द में कौन-सा उपसर्ग प्रयोग किया गया है?

a. जन

b. नि:

c. नि

d. निर्

8. निम्नलिखित में से किस शब्द में प्रत्यय प्रयोग किया गया है ?

a. निडर

b. आजन्म

c. बचपन

d. भरपेट

9. निम्नलिखित में से कौन-सा शब्द हिंदी उपसर्ग की सहायता से नहीं बना है?

a. सत्गुण

b. अनपढ़

c. उनतीस

d. भरपूर

10. निम्नलिखित में से 'वरण' शब्द का श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द चुनें -

a. वर्ण

b. वर्णित

c. वारना

d. वर्णमाला

11. श्रुतिसम भिन्नार्थक शब्द युग्म -'बाण-बान' का अर्थ है -

a. वाणी व शान

b. तीर व आदत

c. वचन व बन्धन

d. वन -वन भटकना

12. 'अमृत' शब्द का पर्यायवाची बताइए।

a. कर्ण

b. तटिनी

c. सुधा

d. रैन

13. 'अनुचर' शब्द का पर्यायवाची बताइए।

a. परिचारक

b. अनल

c. दंभ

d. पट

14. 'दिवाकर' शब्द का विलोम बताइए।

a. बलवान

b. निशाकर

c. रात्रि

d. सरस

15. 'दूधिया' शब्द का विलोम बताइए।

a. मटमैला

b. सफ़ेद

c. काला

d. हास

16. इच्छा अथवा शुभकामना का बोध किस वाक्य से होता है?

a. इच्छावाचक वाक्य

b. साधारण वाक्य

c. विधिवाचक वाक्य

d. संकेतवाचक वाक्य

17. **यह चिट्ठी लड़के ने लिखी होगी।** -वाक्य किस वाक्य का उदाहरण है?

a. संदेहसूचक वाक्य

b. प्रश्नवाचक वाक्य

c. आज्ञावाचक वाक्य

d. संकेतवाचक वाक्य

## खंड - ग (पाठ्य पुस्तक)

18. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: (6 अंक)

a. बुढ़िया की उस विवशता का उल्लेख कीजिए जिसके कारण उसे सूतक में भी खरबूजे बेचने आना पड़ा? दुःख का अधिकार पाठ के आधार पर बताइए।

b. लेखक का बटुआ क्यों काँप गया? तुम कब जाओगे, अतिथि? पाठ के आधार पर लिखिए।

c. कौन-सा कार्य देश की स्वाधीनता के विरुद्ध समझा जाए? धर्म की आड़ पाठ के आधार पर लिखिए।

19. बुढ़िया के दुःख को देखकर लेखक को अपने पड़ोस की संभ्रात महिला की याद क्यों आई? **दुःख का अधिकार** पाठ के आधार पर बताइए।

OR

एवरेस्ट : मेरी शिखर यात्रा पाठ के आधार पर बताइए लेखिका के तम्बू में गिरे बर्फ-पिंड का वर्णन किस तरह किया गया है?

20. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: (6 अंक)

a. कवि रैदास ने ईश्वर की किस गरीब निवाज की अनोखी आदत का उल्लेख किया है?

b. व्यक्ति को अपने पास संपत्ति क्यों बचाए रखना चाहिए? ऐसा कवि रहीम ने किसके उदाहरण द्वारा कहा है?

c. दी गई पंक्ति का आशय स्पष्ट करते हुए उनका अर्थ-सौंदर्य बताइए-
बुझी पड़ी थी चिता वहाँ पर
छाती धधक उठी मेरी

21. सूई तथा तलवार के उदाहरण द्वारा कवि क्या संदेश देना चाहते हैं?

OR

**एक फूल की चाह** एक कथात्मक कविता है। इसकी कहानी को संक्षेप में लिखिए।

22. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (6 अंक)

a. गिल्लू लेखिका से बहुत प्रेम करता था। स्पष्ट कीजिए।

b. हामिद खाँ पाठ से तक्षशिला में आगजनी की खबर पढ़कर लेखक के मन में कौन-सा विचार कौंधा? इससे लेखक के स्वभाव की किस विशेषता का परिचय मिलता है?

c. गाँधी जी के पार उतरने के बाद भी लोग तट पर क्यों खड़े थे? दिए जल उठे पाठ के आधार पर बताइए।

**खंड - घ (लेखन)**

23. **देश में बढ़ता भष्ट्राचार** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए।

- भ्रष्टाचार व्यवस्था का अंग
- भ्रष्टाचार का कारण और स्वरूप
- समाधान व नागरिक के कर्त्तव्य

OR

**मेरा प्रिय खिलाड़ी** विषय पर लगभग 80 से 100 शब्दो में अनुच्छेद लिखिए।

24. बनावट-श्रृंगार में समय व्यतीत न करने की हिदायत देते हुए छोटी बहन को पत्र लिखिए।

OR

पशु-पक्षियों के प्रति क्रूर व्यवहार न करने की सलाह देते हुए मित्र/सखी को पत्र लिखिए।

25. आप अपने क्षेत्र के विधायक हैं। अपने क्षेत्रवासियों को होली का 30-40 शब्दों में बधाई संदेश दीजिए।

OR

स्वतंत्रता दिवस पर देशवासियों के लिए शुभकामना संदेश लिखिए।

26. समाज में बढ़ते भ्रष्टाचार व उसके दुष्परिणामों पर अध्यापिका व छात्र के बीच होनेवाली बातचीत को 50 शब्दों में लिखिए।

OR

कक्षा में होने वाली भाषण प्रतियोगिता हेतु प्रोत्साहित करते हुए अध्यापक व छात्र के बीच हुए संवाद को 50 शब्दों में लिखिए।

27. **भ्रष्टाचार** विषय पर 20-30 से शब्दों में एक नारा लिखिए।

OR

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ विषय पर 20-30 से शब्दों में एक नारा लिखिए।

**9 Hindi B SP-06**

**Class 09 - Hindi B**

## Solution

### खंड - क (अपठित गद्यांश)

1. i. सबसे पुराना किसान विद्रोह 1936 में मालाबार के मोपला किसानों का विद्रोह था।
   ii. संगठित किसान आंदोलन सदस्यता के आधार पर बनी किसान सभा और किसानों की पंचायत द्वारा किए गए जिनका कार्यालय नियमित रूप से काम करता है।
   iii. असहयोग युग के बाद हुए किसान आंदोलन संगठित थे जिन्हें तत्काल नहीं दबाया जा सका।
   iv. पूर्ववर्ती किसान आंदोलन असंगठित होने के कारण असफल हो गए। जो आंदोलन (या विद्रोह) असंगठित किसानों द्वारा किए गए वे तत्काल दबा दिए गए।
   v. मोपला किसानों के विद्रोह का मुख्य कारण आर्थिक एवं सामाजिक उत्पीड़न था।
   vi. समाज + इक

### खंड - ख (व्याकरण)

2. (b) शब्द, पद

   Explanation: शब्द, पद [शब्दों का सार्थक समूह वाक्य कहलाता है।]
3. (a) संज्ञा पद

   Explanation: 'सुरेश ' संज्ञा पद है क्योंकि यह  व्याकरण के नियम में बंधकर वाक्य में प्रयुक्त हुआ है। वाक्य में प्रयुक्त प्रत्येक शब्द का व्याकरणिक दृष्टि से एक निश्चित स्थान होता है और इस वाक्य में सुरेश संज्ञा के स्थान पर आया है।
4. (b) 'सम्' उपसर्ग जोड़ा जाता है तो अनुस्वार का प्रयोग बिंदु के रूप में होता है।

   Explanation: जब किसी शब्द में 'सम्' उपसर्ग जोड़ा जाता है तो अनुस्वार का प्रयोग बिंदु के रूप में होता है।
5. (c) न,

   Explanation: न,
6. (b) अतिरिक्त

   Explanation: अतिरिक्त ( अति+रिक्त= अधिक)
7. (d) निर्

   Explanation: निर् (निर्+जन)
8. (c) बचपन

   Explanation: बचपन ( बच्चा+पन)
9. (a) सत्गुण

   Explanation: सत्गुण। (सत्- संस्कृत+गुण- मूल शब्द)
10. (a) वर्ण

Explanation: वर्ण- वरण सुनने व उच्चारण में एक जैसे लगते परन्तु अर्थ भिन्न हैं ।

11. (b) तीर व आदत

    Explanation: 'बाण' का अर्थ 'तीर' तथा 'बान' का अर्थ  'आदत' होता है।

12. (c) सुधा

    Explanation: अमृत-सुधा

13. (a) परिचारक

    Explanation: अनुचर-परिचारक

14. (b) निशाकर

    Explanation: दिवाकर-निशाकर

15. (a) मटमैला

    Explanation: दूधिया - मटमैला

16. (a) इच्छावाचक वाक्य

    Explanation: जिस वाक्य से किसी इच्छा अथवा शुभकामना का बोध हो, उसे इच्छाबोधक वाक्य कहते हैं।
    उदाहरण:- तुम्हारी उम्र लंबी हो।

17. (a) संदेहसूचक वाक्य

    Explanation: उपरोक्त वाक्य से एक प्रकार का संदेह व्यक्त हो रहा है, इसीलिए ये संदेहसूचक वाक्य का उदाहरण है।

**खंड - ग (पाठ्य पुस्तक)**

18. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: (6 अंक)

    a. बुढ़िया के जवान बेटे को साँप ने डस लिया था। ओझा से झाड़-फूंक करवाने और नागपूजा के बाद दान-दक्षिणा देने में घर का अनाज और आटा चला गया। उसके कफ़न के इंतजाम में साधारण जेवर भी बिक गए। भूख से बिलबिलाते पोते पोतियों और बीमार बहू की भूख शांत करने की विवशता में उसे सूतक में भी खरबूज़े बेचने आना पड़ा।

    b. जिस दिन अतिथि आया, मेज़बान को उस दिन आशंका हुई कि कहीं वह कुछ दिन ठहरने की इच्छा से तो नहीं आया। उसकी आवभगत पर होने वाले खर्चे का अनुमान लगा कर लेखक भयभीत हो उठा था। उसे अपनी आर्थिक स्थिति बिगड़ने की आशंका सताने लगी।

    c. यदि किसी धर्म के मानने वाले कहीं जबरदस्ती दूसरों के धर्म में टाँग अड़ाते हों, बाधा करते हों तो उनका इस प्रकार का कार्य देश की स्वाधीनता के विरुद्ध समझा जाए। दूसरों के लिए बाधक समझा जाए।

19. समाज के सभी लोगों को दुःख मनाने का समान अधिकार होता है। जब लेखक के घर के बगल में एक सभ्रांत महिला के बेटे की असमय मृत्यु हुई थी तो वह महिला अढ़ाई-मॉस तक पलंग से नहीं उठी थी जबकि बुढ़िया के बेटे की मृत्यु के अगले दिन ही वह खरबूज़े बेचने निकल पडी थी। धनी होने के कारण महिला के पास असीमित समय था और बुढ़िया के पास समय का अभाव था। दोनों का शोक मनाने का ढंग अलग था। शहर के सभी लोग उस सभ्रांत महिला के साथ शोक

प्रकट करने आये थे जबकि वही लोग बुढ़िया को तरह-तरह के ताने सुना रहे थे। इन्हीं सब विचारों के बीच लेखक ने जब उस वृद्ध महिला को अपने बेटे की मृत्यु के दुःख में दुखी खरबूजे बेचते हुए देखा तो लेखक को उस सभ्रांत महिला की याद आ गयी।

OR

लेखिका के तम्बू में गिरे बर्फ पिंड का वर्णन इस प्रकार किया है : 15-16 मई, 1984 को बुद्ध पूर्णिमा की रात लगभग 12:30 बजे लेखिका के कैम्प-तीन के नायलॉन के तम्बू के ऊपर एक भारी बर्फ पिंड आ गिरा। यह लेखिका के सिर के पिछले हिस्से से टकराया। उसकी नींद खुल गई। यह बर्फ पिण्ड कैम्प के ठीक ऊपर ल्होत्से ग्लेशियर से टूटकर नीचे आ गिरा। उसका विशाल हिमपुंज बन गया था। हिमखण्डों, बर्फ के टुकड़ों तथा जमी हुई बर्फ के इस विशालकाय पुंज ने एक एक्सप्रेस रेलगाड़ी की तेजगति और भीषण गर्जना के साथ, सीधी ढलान से नीचे आते हुए कैम्प को तहस-नहस कर दिया था। इससे प्रत्येक व्यक्ति को चोट तो लगी, पर मरा कोई नहीं।

20. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिये: (6 अंक)

    a. कवि रैदास ने अपने प्रभु को 'गरीब निवाजु' कहा है। इसका अर्थ है-दीन-दुखियों, गरीबों पर दया करने वाला। प्रभु ने रैदास जैसे अछूत को संत की पदवी प्रदान कर उसे आदर, सम्मान का पात्र बना दिया। प्रभु गरीब को अमीर और राजा बना देता है।

    b. व्यक्ति को अपने पास संपत्ति इसलिए बचाए रखना चाहिए क्योंकि उसकी अपनी संपत्ति ही विपत्ति में उसके काम आती है। इसके अभाव में अपना कहलाने वाले भी काम नहीं आते हैं। कवि ने इसके लिए जलहीन कमल और सूर्य का उदाहरण दिया है।

    c. **आशय-** उसकी फूल जैसी कोमल बच्ची अब इस दुनिया में नहीं थी। उसे अपनी बच्ची की जगह राख की ढेरी मिली। इससे उसके हृदय का दुख और भी बढ़ गया।
    **अर्थ सौंदर्य-** सगे-संबंधी उसे जला कर जा चुके थे। चिता राख बन चुकी है, परंतु इससे सुखिया के हृदय की चिता धधकने लगी। एक चिता का बुझना, दूसरी को धधकना हृदय के बढ़े दुख की अभिव्यक्ति कर रहा है।

21. रहीम का मानना है कि प्रत्येक छोटी-बड़ी वस्तु की अपनी अलग-अलग उपयोगिता होती है, इसलिए वह कहते हैं कि कभी भी धनी मित्रों को पाकर निर्धन मित्रों को नहीं भूलना चाहिए। इसके लिए रहीम सुई और तलवार का उदाहरण देते हुए कहते हैं कि जहाँ सुई का काम होता है, वहाँ तलवार व्यर्थ हो जाती है। इस प्रकार रहीम इस उदाहरण के माध्यम से समाज में सभी के सम्मान का संदेश देते हैं। सभी वस्तु भले ही वे छोटी ही क्यों न हों, उपयोगी होती हैं इसलिए छोटे व्यक्तियों या छोटी वस्तुओं का तिरस्कार नहीं करना चाहिए।

    OR

    एक फूल की चाह कविता एक पिता एवं पुत्री की दीन दशा पर आधारित है। इसमें एक पिता है और उसकी पुत्री है जसका

नाम सुखिया है। वे अछूत समाज से ताल्लुक रखते हैं। सुखिया जब मरणासन्न अवस्था में होती है तो वह अपने पिता से देवी माँ के चरणों में अर्पित हुए फूल की माँग करती है। उसका पिता मंदिर में जाकर फूल लाता है लेकिन वह तो एक अछूत व्यक्ति है इसलिए पुजारी उसकी इस बात पर गुस्सा हो जाता है। सुखिया का पिता फूल लाने में तो सफल हो जाता है लेकिन ऊँची जाति के लोग उससे गुस्सा हो जाते हैं और उसे उसके इस दुस्साहस के लिए कुछ दिनों की सजा सुना देते हैं। सात दिनों की सजा काटने के बाद जब वह लौटता है तो उसकी पुत्री की चिता की आग भी बुझ चुकी होती है अर्थात् उसकी मृत्यु हो चुकी होती है। उसे अपनी बेटी का चेहरा तक देखना नसीब नहीं होता।

22. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्ही दो के उत्तर दीजिये: (6 अंक)

a. गिल्लू वास्तव में एक अत्यधिक संवेदनशील प्राणी था और उसे महादेवी से गहरा लगाव था। पाठ के अंतर्गत इसके कई प्रमाण विद्यमान हैं।

   i. जब भी लेखिका अपना कमरा खोलकर अंदर घुसती थीं, तो गिल्लू उनके शरीर पर ऊपर से नीचे झूलने लगता था, लेकिन यदि कोई अन्य व्यक्ति अंदर आता तो वह ऐसा नहीं करता था।
   ii. गर्मियों के दिनों में वह लेखिका के पास रहने के लालच में उनके पास रखी सुराही के साथ चिपका रहता था।
   iii. गिल्लू ने लेखिका के अस्वस्थ रहने के दौरान एक परिचारिका की तरह उपचार में अपनी ओर से यथासंभव भूमिका निभाई।
   iv. लेखिका की अस्वस्थ स्थिति में अस्पताल में रहने के दौरान गिल्लू ने अपना मनपसंद भोजन काजू खाना कम कर दिया।
   v. अपने अंतिम समय में गिल्लू ने लेखिका की उंगली पकड़ ली।

b. तक्षशिला में आगजनी की खबर पढ़कर लेखक को हामिद खाँ की याद आ गई। उसके यहाँ उसने खाना खाया था। उसे हामिद खाँ की आवाज, उसके साथ बिताए क्षणों की यादें आज भी ताजा हैं। उसकी मुस्कान उसके दिल में बसी है। लेखक की यही कामना है कि तक्षशिला के साम्प्रदायिक दंगों की चिंगारियों की आग से हामिद और उसकी वह दुकान जिसने मुझ भूखे को दोपहर में छाया और खाना देकर मेरी क्षुधा को तृप्त किया था, बचे रहें। इनसे लेखक की पंथ निरपेक्ष मानवीय भावनाओं का पता चलता है।

c. जब गाँधी जी नदी पार करने के लिए रात बारह बजे निकले और घुटनों तक पानी में चलकर नाव तक पहुँचे। 'महात्मा गाँधी की जय', 'सरदार पटेल की जय' और 'जवाहर लाल नेहरू की जय' के नारों के बीच नाव रवाना हुई। कुछ ही देर में नारों की आवाज नदी के दूसरे तट से भी आने लगी। ऐसा लगा जैसे वह नदी का किनारा नहीं बल्कि पहाड़ की धारी हो, जहाँ प्रतिध्वनि सुनाई दे। अर्थात् महि सागर के दूसरे तट पर भी स्थिति कोई भिन्न नहीं थी। उसी तरह का कीचड़ और दलदली जमीन थी। अतः यह पूरी यात्रा का संभवतः सबसे कठिन हिस्सा था।

**खंड - घ (लेखन)**

23. **भ्रष्टाचार व्यवस्था का अंग-** भ्रष्टाचार का तात्पर्य है- भ्रष्ट व्यवहार या अनैतिक व्यवहार। दुर्भाग्य से आज सारे भारतवर्ष में

भ्रष्टाचार व्याप्त है। जीवन का कोई ऐसा क्षेत्र नहीं रह गया है जिसमें ईमानदारी से कार्य होता है। आज विद्यालय में प्रवेश का मामला हो या नौकरी मिलने का, सब जगह भ्रष्टाचार व्याप्त है। सरकारी कार्यालयों में तो काम तभी हो पाता है जब उन्हें घूस मिल जाती है। पुलिस के भ्रष्टाचार का तो कहना ही क्या? जब अपराधी निकल जाता है, तब पुलिस हवा में डंडे चलाती हुई आती है और गरीब बेकसूरों को पकड़कर ले जाती है।

**भ्रष्टाचार का कारण और स्वरूप-** भारत में भ्रष्टाचार इसलिए पनपता है क्योंकि यहाँ का नेता स्वयं भ्रष्ट है। इसलिए वह भ्रष्ट लोगों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही नहीं करता। यहाँ की न्याय प्रणाली भी भ्रष्टाचार की लपेट में आ गयी है। यदि हम भ्रष्टाचार के मूल में जाएँ तो उसका मूल कारण मानव का स्वार्थ, उसकी लिप्सा तथा धन लोलुपता दिखाई देती है। आज प्रत्येक व्यक्ति उचित तथा अनुचित साधनों द्वारा धन प्राप्त करने में लगा दिखाई देता है। मनुष्य की बढ़ती हुई आवश्यकता है तथा उन्हें पूरा करने के लिए अपनाए जा रहे साधन, अनियंत्रित होती महँगाई तथा अमीर गरीब के बीच का बढ़ता अंतर ही भ्रष्टाचार को जन्म देता है।

**समाधान व नागरिकों के कर्त्तव्य-** यदि हम भ्रष्टाचार को समाप्त करना चाहते हैं तो हमें प्रत्येक व्यक्ति के मनोबल को ऊँचा उठाना होगा तथा शिक्षक, साहित्यकार, पत्रकार, कवि, कलाकार एकजुट होकर नवयुवाओं में आचरण की शुद्धता के संस्कार भरें और भ्रष्टाचार के विरुद्ध लड़ाई छेड़ दें। यदि भ्रष्ट राजनेता अपने आचरण को सुधार लें तो भ्रष्टाचार को जड़ से समाप्त किया जा सकता है। साथ ही हमें न्यायिक व्यवस्था को मजबूत बनाना होगा। नई तकनीक भी भ्रष्टाचार को समाप्त करने में अपना योगदान दे सकती है।

OR

मेरा प्रिय खिलाड़ी क्रिकेट की दुनिया का जादूर व बादशाह सचिन तेन्दुलकर है। वे क्रिकेट के विश्व प्रसिद्ध खिलाड़ी हैं। प्रत्येक खिलाड़ी उनके समान खेलने व बनने के स्वप्न देखता है। सचिन ने जब क्रिकेट की दुनिया में कदम रखा उस समय वह सबसे कम उम्र के खिलाड़ी थे। जब वह मैदान पर होते थे तो सभी दर्शकों की निगाहें उन्हीं पर टिकी रहती थी। उनके खेलने के अंदाज को देखकर सभी दाँतों तले अपनी अँगुलियाँ दबा लेते थे। खेल के विपरीत परिस्थितियों में होने पर भी वह अपना संयम नहीं खोते थे और सामान्य होकर खेल को खेलते थे। विपक्षी खिलाड़ियों में सदैव ही उन्हें आउटट करने की होड़ लगी रहती थी। उन्होंने कई शतक और अर्द्धशतक बनाए थे। उनके खेलने के तरीके की प्रशंसा केवल उनके साथी खिलाड़ी ही नहीं वरन् अन्य देशों के खिलाड़ी भी करते थे। उनकी कप्तानी में भारत ने कई मैच भी जीते हैं।

इस प्रकार सचिन मेरे प्रिय खिलाड़ी हैं और मैं सदैव उनके जैसा खेलने का प्रयास करता हूँ। यद्यपि मैं जानता हूँ कि इसके लिए अत्यधिक परिश्रम की आवश्यकता है, किन्तु मैं परिश्रम से पीछे नहीं हटूँगा और भविष्य में उनके जैसा खिलाड़ी अवश्य बनूँगा।

24. 45/5, स्वरूप नगर

दिल्ली

दिनांक : 05 मार्च, 2019

प्रिय संजना

शुभाशीष,

तुम छात्रावास में रहती हो वहाँ कई प्रकार की छात्राएँ रहती हैं। अक्सर लड़कियाँ अपने बनाव श्रृंगार में समय व्यतीत किया

करती हैं, क्योंकि प्रत्येक लड़की यही चाहती है कि वह अधिक से अधिक आकर्षक दिखाई दे, यह स्वाभाविक है पर सारा ध्यान इसी ओर केन्द्रित करना उचित नहीं है। स्वस्थ शरीर स्वयं ही आकर्षण का केन्द्र होता है। अतः तुम अपने को पूर्ण स्वस्थ दिखाने का प्रयास करो। यही तुम्हारा श्रृंगार होगा। शृंगार में समय मत बर्बाद करो। अपना अधिक समय पढ़ने-लिखने में लगाना ही तुम्हारे लिए उचित होगा। आशा है तुम मेरी बात पर गौर फरमाओगी।
तुम्हारी अपनी ही,
चंचल

OR

421, गोविन्द नगर,
कानपूर, उत्तरप्रदेश
दिनांक : 05 मार्च, 2019
प्रिय सखी
नमस्कार।
मैं यहाँ पर कुशलता से हूँ और तुमसे भी यही आशा करती हूँ। मुझे तुम्हारी किसी सखी से पता चला है कि तुम पशु-पक्षियों के प्रति बहुत क्रूर होती जा रही हो। यह जानकर मुझे बहुत दुःख हुआ है। इसलिए मैं तुम्हें कुछ विशेष बातें बताना चाहती हूँ। ये भोले-भाले पशु-पक्षी तो हमारी प्रकृति की शान हैं, वातावरण का संगीत हैं। ये अपने सुरों से हमारा मानसिक तनाव दूर करते हैं। ये हमें हर पल एक सन्देश देते हैं। इसलिये हमें इनकी रक्षा हेतु सदा तत्पर रहना चाहिए। मुझे आशा है कि मेरा पत्र पढ़कर पशु-पक्षियों के प्रति अपना व्यवहार बदलने का अवश्य प्रयास करोगी। शेष बातें अगले पत्र में।
अपने माता-पिता को मेरा सादर नमस्कार कहना। अपनी छोटी बहन को मेरा प्यार देना।
तुम्हारी सखी,
हिमांशी

25.

**संदेश**

10 मार्च, 2020
प्रातः 8:45 बजे
मेरे प्यारे क्षेत्रवासी
होली आपसी सौहार्द प्रेम एवं भाइचारे का त्योहार है। आओ इस पावन अवसर पर सब एक साथ मिलकर आपसी सौहार्द, प्रेम एवं भाइचारे की मिसाल पेश करते हुए एक-दूसरे को गले लगाए और पिछड़ते समाज को विकास के मार्ग पर अग्रसर करें।

| |
|---|
| विधायक |

OR

**संदेश**

**विजयी विश्व तिरंगा प्यारा**

**झंडा ऊँचा रहे हमारा**

15 अगस्त 2020

प्रातः 5:30 बजे

सभी देशवासियों को 15 अगस्त स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ। स्वतंत्रता के लिए हमें अनेक कुर्बानियाँ देनी पड़ी और लंबा संघर्ष करना पड़ा है। इस लड़ाई में हर धर्म, जाति, रंग और नस्ल के लोगों बढ़-चढ़कर भाग लिया। आज हम आज़ाद है सुरक्षित है सिर्फ अपने वीर बहादुर, जवानों की कुर्बानी से। आओ हम इसी एकता को कायम रखते हुए आज भी आगे बढ़ने का संकल्प करते हैं।

जय हिंद,

नरेंद्र मोदी

26. अध्यापिका - बच्चों! आज के अखबार में भ्रष्टाचार से सम्बन्धित खबर पढ़ी तुमने।

छात्र - जी! बीएसएनएल अधिकारी रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा गया।

अध्यापिका - आज कोई भी विभाग इससे अछूता नहीं रह गया है।

छात्र - जी! चाहे रेलवे हो या नगर निगम या विद्युत विभाग हर जगह भ्रष्टाचार नज़र आता है।

अध्यापिका - भ्रष्टाचार का जाल इस तरह फैल गया है कि देश का विकास रुक गया है। बताओ, इसके दुष्परिणाम किस रूप में दिखाई देते हैं?

छात्र - भ्रष्टाचार के कारण कालाबाज़ारी, रिश्वतखोरी, बेइमानी, मिलावटखोरी आदि सबको बढ़ावा मिल रहा है।

अध्यापिका - बिल्कुल ठीक, भ्रष्टाचार ही इन सब समस्याओं की जड़ है।

OR

**छात्र** - नमस्कार, गुरुजी!

**अध्यापक** - नमस्कार, बेटे! कहो, कैसे आना हुआ?

**छात्र** - कल गाँधी जयंती है, गुरुजी। मुझे कल बाल सभा में गाँधी जी के जीवन के विषय में कुछ बोलना है।

**अध्यापक** - कहो, मैं उसमें तुम्हारी क्या सहायता कर सकता हूँ?

**छात्र** - गुरु जी ! मैंने गाँधी जी के विषय में भाषण लिख तो लिया है, अब उसे रट रहा हूँ। थोड़ी देर बाद आप मुझसे सुन लीजिए।

**अध्यापक** - ऐसी भूल कर भी मत करना।

**छात्र** - क्यों गुरु जी, क्यों नहीं?

**अध्यापक** - तुम नहीं जानते, बेटे। जो चीज़ रटकर सुनाई जाती है, उसका श्रोताओं पर अच्छा प्रभाव नहीं पड़ता। जब तुम बोलने के लिए श्रोताओं के सामने खड़े होगे, तो तुम्हें अनेक चेहरे दिखाई देंगे। उनके चेहरों के हाव-भाव को देखकर अपने भाषण को बदलना होगा।

**छात्र** - किंतु मैं तो रटे बिना एक शब्द भी नहीं बोल सकता।

**अध्यापक** - ठीक है, पहले-पहल ऐसा ही किया जाता है। किन्तु यदि तुम बीच में कोई वाक्य भूल गए तो क्या करोगे?

**छात्र** - इसके लिए मैं कुछ संकेत लिखकर ले जाऊँगा।

27. अगर भ्रष्टाचार का सामने हर कोई मौन रहेगा।
तो इसके खिलाफ अभियान में कौन रहेगा।

OR

मत करो बेटी के साथ फर्क का व्यवहार
बेटी भी बन सकती है आपके जीने का आधार